कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा मधुमक्खी पालन विषय पर प्रशिक्षण

कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा दिनाॅक 6 व 7 अक्टूबर, 2017 को मधुमक्खी पालन विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में ग्रामीण युवाओं एवं कृषको को स्वरोजगार उपलब्ध करवाने के लिए मधुमक्खी पालन हेतु उन्नत एवं व्यवहारिक तकनीकियों के विषय में बताया गया। शहद की औषधीय उपयोगिता, न्यूक्लियस मौनवंश तैयार करना, मौन गृहो को कीटो बीमारियों व प्राकृतिक शत्रुओं से बचाना, बरोआ माईट का नियंत्रण संबंधी, शहद का निष्काशन, घरछूट बकटूट समस्या का निराकरण, मौय पेटिकाओं का एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाना इत्यादि जानकारी दी गयी। मौन का निष्कासन, मौन गृहों का लकड़ी से निर्माण, शहद का विपणन आदि जानकारी भी दी गयी। कृषको का प्रयोगात्मक कार्य हेतु कृषि विज्ञान केन्द्र फार्म के मौनालय का भ्रमण कराया गया, जहाॅ पर मौन गृहो को खोलना, रानी, ड्रोन व कमेरी मक्खी की पहचान करायी गयी तथा मौन पेटिकाओ का रखरखाव बताया गया। कृषको शुद्ध व अशुद्ध शहद की पहचान करना भी बताया गया। साथ ही कृषको को प्रगतिशील माॅन पालक जैसे साॅवलिया शरण सिंह, गिरधारीपुर, श्री मुकेश कुमार,घंघोरा, बरेली व श्री अहसान अहमद रिछौला ताराचन्द द्वारा भी व्याख्यान आयोजित कराया गया। इन प्रगतिशील कृषको ने मौन पालन के क्षेत्र में अपने-अपने उद्यम से संबंधित

अनुभव बताये। इस प्रशिक्षण में कुल 20 कृषको ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण में कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रभारी डा0 बी0पी0 सिंह द्वारा कृषको को समूह में मधुमक्खीपालन करने की सलाह दी गयी।